

सुप्रभात

रांची, शनिवार

15.07.2023

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

* नगर संस्करण | पेज : 12

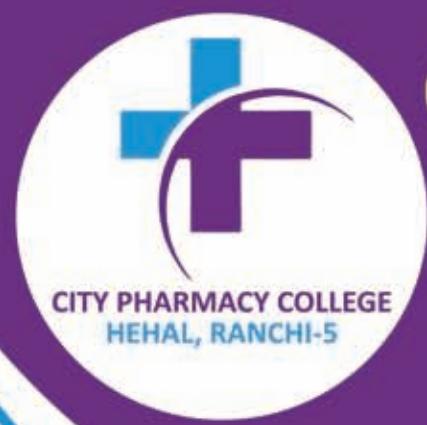


khabarmantra.net

श्रावण, कृष्ण पक्ष, ब्रह्मोदयी संवत् 2080

मूल्य : ₹ 3 | वर्ष : 11 | अंक : 05

12 चंद्रयान-3 सफल लॉचिंग, सॉफ्ट लैंडिंग 23 अगस्त को



CITY PHARMACY COLLEGE

Affiliated by : Jharkhand State Pharmacy Council (JSPC)
& Pharmacy Council of India (PCI)



City Nursing & Paramedical College

Affiliated by : Jharkhand Nursing Reg. Council (JNRC)
Affiliated by : Jharkhand State Paramedical Council

ADMISSION
OPEN



Dr. M. N Singh
CEO



Dr. Mukesh
Dental surgeon



Dr. Mrinalini Singh
Gynecologist



Dr. Mayank
CMO



All facilities under one roof :

- ◆ College Hospital ◆ Practical ◆ Expert Faculty & Doctors
- ◆ Canteen ◆ Wi-Fi Facility ◆ Separate Hostel for Boy's & Girl's
- ◆ A C Library ◆ Lecture Hall



Piska More, Itki Road, Hehal
Ranchi (Jharkhand) - 834005



9334260302, 9334353245



citypharmacycollege542@gmail.com



www.citypharmacycollege.com



citypharmacycollege



citypharmacycollege



सुप्रभात

रांची, शनिवार

15.07.2023

* नगर संस्करण | पेज : 12

परती आगा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मञ्च

सबकी बात सबके साथ

गुडलक : चांद के सफर पर निकला चंद्रयान

23 अगस्त को गति धीमी

लैंडिंग होगी शुरू

चंद्रयान, चंद्रा की 100100

किलोमीटर की कक्षा में जायेगा।

इसके बाद विक्रम टॉर्ड और

पहुँच रायबर पारपश्चिम बायबूल से

अलग हो जायेंगे। उन्हें 100

किलोमीटर 30 विलोमीटर की

अंडाकर कक्षा में लाया जायेगा।

23 अगस्त की ऊर्जावान धीमी

करने का क्रांति दिया

जायेगा। इसके बाद चंद्रयान-3

चंद्रयान की स्थापना उत्तराखण्ड

करेगा। एस बार विक्रम टॉर्ड में

की बात ताकत को बढ़ाया

रह रहा। एस देवंत लगाये गए हैं।

एजेंसी

श्री हरिकोटा (आंध्रप्रदेश)। चंद्रमा के सफर पर श्रीहरिकोटा स्पेस सेंटर से इसरो का चंद्रयान-3 चंद्रान की बात हो गया। सफल लॉन्चिंग के साथ पहली परीक्षा में पास रहा चंद्रयान। चांद पर रहने वाले विक्रम टॉर्ड और पहुँचने की बड़ी सफलता हासिल कर ली, जहां से इस यात्रा ने खोजी उपकरणों के साथ चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। इसरो के अनुसार चंद्रयान-3 का लॉन्च सफल रहा है। इस रोकेट को लैंडर के साथ चांद की स्थापना के लिए उपर तक दिनों का समय लगेगा। 24 अगस्त को यह चंद्रमा की स्थापना को संपर्क करेगा। इस मौके पर पीएम मोदी ने इसरो को गुडलक भी विश्व किया। पूरे देश में हर्ष का महानै है।

5 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में जायेगा चंद्रयान

इसके बाद चंद्रयान-3 ट्रांस लूनर इंसरेशन कार्बन द्विये जायेंगे, पिछे चंद्रयान-3 सोलर ऑर्बिट यानी लंबे हावे पर यात्रा करेगा। 31 जुलाई तक टीएसआई पूरा कर जायेगा। इसके बाद चंद्रमा की ओर भेजने से पहले चंद्रयान-3 को धरती के चारों तरफ कम से कम पांच चक्रवर्त लगाने होंगे। हर चक्रवर्त पहले वाले चक्रकर से ज्यादा बड़ा होगा। ऐसा इंजन को ऑन करके किया जायेगा।

इंडी के गवाह अशोक यादव को रिहा करें : हाइकोर्ट

राजधानी में दो की हत्या, एक गिरफ्तार

रांची। राजधानी रांची में दो युवकों की हत्या कर दी गयी। एक युवक का शव धुर्वा इलाके से बरामद किया गया। उसकी पहचान नहीं हो पायी है। वहीं दूसरी घटना मांडर थाना क्षेत्र के सोसाइटी आश्रम के समीप के अवैदन एक युवक की ओर भेजने से धारी हथियार से कूच कर हत्या कर दी गयी। युवक की हत्या करने के तरांथ थाना के तरांथ खिलौटोली गांव निवासी 30 वर्षीय कुण्ठा पाहन उर्फ बबलू के रूप में की गयी। इस मामले में पुलिस ने शक के आधार पर उसके फूफा को गिरफ्तार किया गया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के तहत दिया गया था, लेकिन गांव सरकार ने कोई फैसला नहीं दिया। इसके बाद अशोक यादव ने आदेश दिया है।

न्यायाधीश जरिस्टर्स एस चंद्रेश्वर और जरिस्टर्स रत्नाकर कार्ट को आदेश दिया है।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। अशोक यादव को आदेश कार्बन ट्रांसल एक्ट (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में बंद पथर (सीधी) के अवैदन के तहत दिया गया था। उक्त कर्ता ने उसके कार्यकारी अवैदन खाली रखने में अपराधियों ने उसके शक को अन्वेषण नहीं किया।

उसकी याचिका के स्वीकार कर सुनवाई कोर्ट ने यह आदेश दिया। 10 जुलाई को सीधी भौमिका जेल में ब



स्पीड न्यूज़

बाबुलाल से निले प्रवीण मेहता

रामगढ़। रामगढ़ भाजपा जिलायक्ष प्रवीण मेहता ने गुरुवार को बाबुलाल मराई के आवास पर जाकर पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर बधाई दी। यह जानकारी जिता मैदिया प्रभारी सत्यजीत चौधरी ने दी। उन्होंने बताया कि मराई एवं प्रवीण मेहता के बीच पार्टी और संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई। मेहता ने कहा कि मराई को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने न सिर्फ अधिवासियों का दिल जीता है बल्कि झारखंड को एक इमानदार नेता भी दिया जिनके सुझुबुझ भरे नेतृत्व से राज्य में पार्टी मजबूत होगी।

आचार्यों को निला प्रशस्ति पत्र



ररज्ञ। रजरप्पा को योग्यतावाल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर के शिक्षकों सहित विद्यालय के भैया-बहनों का प्रशान्तमंत्री के कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा में उनके विचारों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रतिवर्ष देश के माननीय प्रधानमंत्री ने दिया प्रशस्ति पत्र प्रतिवर्ष देश के माननीय प्रधानमंत्री के द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में भयसुक एवं तनाव रहत परीक्षा हेतु शिक्षकों, अधिवासियों, छात्रों एवं बुद्धिजितियों से उनके विचार आमत्रता किए जाते हैं। इस कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित भैया-बहनों ने भी हिस्सा लिया था। उनके विचारों एवं सुझावों के लिए उन्हें प्रशस्ति -पत्र मिला। इन्हें मिल सम्मान : राकेश कुमार सहाय, गयत्री कुमारी, ज्येष्ठ राजेश, शुल्ला चौधरी, अशोक कुमार सुधाशु, गोविंद कुमार तथा भैया-बहनों में आयुष कुमार भगत, अंचल कुमारी, अमीषा कुमारी, सुमित कुमार, मानशी कुमारी तथा प्रतिमा कुमारी।

कॉलोनी का एसओटी ने किया निरीक्षण मिही। राष्ट्रीय कालियारी मजदुर यूनियन के अरण्डु क्षेत्रीय सचिव जन्मजय रिंग हरि गिरी शी परियोजना के मजदुर कॉलोनी वासियों द्वारा कॉलोनी में व्याप गंदी और जर्जर पड़े सफ्टी टैक सहित कई समर्थनों से अरण्डु प्रक्षेत्र के स्टॉफ ऑफिसर सिविल गौरांग तिवारी को लूलू करवाया गया। शी तिवारी ने तमाम कॉलोनी की निरीक्षण किया और समर्थनों से अवगत होते हुए इसपर जल्द कारवाई करने की बात कही। इस मेंके पर कृष्णा सिंह सहित अन्य कॉलोनीवासी मौजूद थे।

खतियान संघर्ष समिति हुई बैठक

कुजू। ग्राम तोयरा में झारखंडी भाषा खितियान संघर्ष समिति की बैठक शुक्रवार को आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता अनिता देवी व संचालन कुलदीप कुमार ने किया। बैठक में एक बैठक महतों से महिला-पुरुष गंदी और जर्जर महतों से आयुष कुमार भगत, अंचल कुमारी, अमीषा कुमार, साहेबराम दुड़ु, सोनू सिंह सहित अन्य आयोजकों द्वारा गत रूप से अवधारणा की गयी। जिसके तोयरा ग्राम से सेंकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण महासभा में भाग ले रहे। योंके पर समें कुमार भगत देवी, विमला देवी, कोशाया देवी, उषा देवी, सुमा देवी, फुलिया देवी, सुनिता देवी, बिंदु कुमारी, नमिता देवी, सीमी देवी, कालावती देवी, ममता देवी, कुलदीप कुमार महतों, धर्मेंद्र कुमार, संजय कुमार, धनंजय कुमार, सरजु तरी, मितलाल महतों, पिंडु कुमार, देवानी देवी, प्रमोद कुमार, हीरालाल महतों, शमू महतों, मुकेश महतों आदि मौजूद थे।

जयकिशोर बने आजसू के जिला उपाध्यक्ष कुजू। सांडी भरेचनगर निवासी जयकिशोर महतों को आजसू के जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। साथ ही उन्होंने श्री महतों से पूरी निष्ठा के साथ पार्टी के कार्यों को आगे निवासित करने की जिम्मेदारी सौंधी है। अपने मनोनीत वर्ष पर जयकिशोर महतों ने किया। वर्ष पर जयकिशोर महतों के निवासी के साथ अपने दायित्व को निभाउंगा। साथ ही पार्टी के निवासी व संदेश को जन-जन तरफ पहुंचाऊंगा। इसके लिए उन्होंने जिला उपाध्यक्ष के लिए मनोनीत किया है। जयकिशोर महतों के निवासी के साथ अपने दायित्व को निभाउंगा। साथ ही पार्टी के निवासी व संदेश को जन-जन तरफ पहुंचाऊंगा। इसके लिए उन्होंने जिला उपाध्यक्ष के लिए मनोनीत किया है।

नाहाधरना को ले नाहाप्रबंधक को नोटिस



उरीमारी/स्थान (रामगढ़)। जगद्दों के विभिन्न समर्थनों को ले अखिल झारखण्ड कोयला श्रमिक संघ के क्षेत्रीय सचिव सज्जय मिश्र के नेतृत्व में शुक्रवार को संघ के लिए ने बरका-स्थान महाप्रबंधक के समक्ष एक दिवसीय महाधरना देने का निर्णय लिया गया है। जिसकी सूचना आकारों द्वारा ग्रामगढ़ जिला प्रचारक संघ में रेतिलासिक होगा। पत्र की प्रतिविधि ओपी प्रभारी भुरुकुडा और क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी बरका-स्थान प्रक्षेत्र को भी प्रेषित की गई है। नोटिस देने वाले में क्षेत्रीय सचिव सज्जय मिश्र, क्षेत्रीय अध्यक्ष इंद्रदेव राम, सेप्टी वेलेफर कमेटी सदस्य कमलशेख कुमार, जी.यूनिट अध्यक्ष शिवनंदन दास, जीएम यूनिट सचिव कमल कुमार सिंह आदि शामिल थे।

मानहानि का मुकदमा कर्णांग : प्रदीप

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। भाजपा नेता प्रदीप प्रसाद ने अनेंवरी विंडियारी पुल स्थित जमीन और दुकान विवाद मामले को लेकर शुक्रवार को अपने कार्यालय में प्रेस वार्ता में रखा पक्ष। उन्होंने कहा कि दिवंगत वकील अरुण कुमार श्रीवास्तव के साथ उन्होंने 2012 में लाइफटाइम एप्रिमेंट किया था। इसके लिए अरुण श्रीवास्तव को 12 लाख रुपये दिए गए थे। साथ ही दुकान बनाने में अन्य खर्च भी हुए थे जिसका वहन उन्होंने किया था। उन्होंने कहा कि दिवंगत वकील अरुण कुमार श्रीवास्तव को 12 लाख रुपये दिए गए थे। साथ ही दुकान बनाने को लिया गया। इनलोगों को कुछ लोगों ने मुझ बदनाम करने की कोशिश की ताकि मैं परेशन होकर जमीन छोड़ दूँ। दुकान का ताला रोड से इसलिए तोड़ा जा रहा था क्योंकि चाली गुम हो गयी थी। मार्पीट की जो घटना दो दिन पहले घटी थी उसके बाद उन्होंने देखा था कि वह तो उत्तर स्थान पर रहा है। अगर उनके पास कागजात है तो हमारे पास भी लीज एप्रिमेंट खत्म हो गयी है तसके कागजात हैं। उनके भाईयों ने केसी हक्क की है इसका विडियो सीसीटीवी फुटेज में मौजूद है जो हमलोगों के घटना के दो दिन पहले लगवाई थी। हमलोगों का यही कानून था कि जो लोज खम हो गयी है वे उत्तर स्थान पर रहे। हम उसे खुद रखे थे कि वह तो उत्तर स्थान पर रहा है। उसके बाद से धमकी मिलनी शुरू हो गयी। वीडियो बनाना जरीरी था कि लोगों को उनकी सच्चाई का पता चल सके। हमलोग बस अपना जमीन वापस चाहते हैं।

जमीन और दुकान विवाद मामले में भाजपा नेता ने रखा अपना पक्ष



पेपर उन्हें दिखाए लेकिन वे जबरदस्ती दुकान खाली करने को उत्तर रहे। इनलोगों को कुछ लोगों ने मुझ बदनाम करने की कोशिश की ताकि मैं परेशन होकर जमीन छोड़ दूँ। दुकान का ताला रोड से इसलिए तोड़ा जा रहा था क्योंकि चाली गुम हो गयी थी। मार्पीट की जो घटना दो दिन पहले घटी थी उसके बाद उन्होंने देखा था कि वह तो उत्तर स्थान पर रहा है। अगर उनके पास कागजात है तो हमारे पास भी लीज एप्रिमेंट खत्म हो गयी है तसके कागजात हैं। उनके भाईयों ने केसी हक्क की है इसका विडियो सीसीटीवी फुटेज में मौजूद है जो हमलोगों के घटना के दो दिन पहले लगवाई थी। हमलोगों का यही कानून था कि जो लोज खम हो गयी है वे उत्तर स्थान पर रहे। हम उसे खुद रखे थे कि वह तो उत्तर स्थान पर रहा है। उसके बाद से धमकी मिलनी शुरू हो गयी। वीडियो बनाना जरीरी था कि लोगों को उनकी सच्चाई का पता चल सके। हमलोग बस अपना जमीन वापस चाहते हैं।

हमें हमारी जमीन चाहिए : हेमा श्रीवास्तव

इत्यहार इस मामले पर शोभा श्रीवास्तव की छोटी बहने हैं अपना पक्ष रखते हुए कहा कि प्रदीप प्रसाद को सारी सच्चाई मालूम है। हमलोगों ने उनपर नहीं बल्कि उनके द्वारा शह पर हमलोगों के साथ मोलेस्ट्रेन और मार्पीट उनके भाईयों द्वारा की गयी है वे कहा है। अगर उनके पास कागजात है तो हमारे पास भी लीज एप्रिमेंट खत्म हो गयी है तसके कागजात हैं। उनके भाईयों ने केसी हक्क की है इसका विडियो सीसीटीवी फुटेज में मौजूद है जो हमलोगों के घटना के दो दिन पहले लगवाई थी। हमलोगों का यही कानून था कि जो लोज खम हो गयी है वे उत्तर स्थान पर रहे। हम उसे खुद रखे थे कि वह तो उत्तर स्थान पर रहा है। उसके बाद से धमकी मिलनी शुरू हो गयी। वीडियो बनाना जरीरी था कि लोगों को उनकी सच्चाई का पता चल सके। हमलोग बस अपना जमीन वापस चाहते हैं।

इंतजार करना चाहिए। वीडियो उनलोगों ने किया और जबकि उनलोगों में नहीं था। जबकि उत्तर स्थान पर मैं नहीं था। नेबनाया, झगड़ा उनलोगों ने किया और मैं उनलोगों में नाम मेरा लिया गया

जबकि उत्तर स्थान पर मैं नहीं था। नेबनाया, झगड़ा उनलोगों ने किया और मैं उनलोगों में मुकदमा करूँगा।

कैंप ने कई समस्याओं का हुआ निदान

बरही। खोड़ार परिवार के बिंहोर टोला में सामाजिक स्कूल में शुक्रवार को अधिनन्दन समारोह हुआ। समारोह विद्यालय के उन छात्र छात्राओं के लिए था जिन्होंने बोर्ड की परीक्षा के अंत में अच्छे अंक प्राप्त किए हैं। समारोह का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य एवं स्कूल प्रबंधक क



एक महिला शादी के बाद नई घर-गृहस्थी में जाती है। वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अपर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिफ़र यही एक ऐसा

पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झौलते हैं, हर डेढ़लाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदलने में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को समान्यतः घर का नियमित काम-

काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगधूम होने की सँझा भी नहीं मिलती। जबकि उतना काम नौकर-चाकर द्वारा कराया जाता तो अवश्य ही एक बड़ी राशि वेतन के रूप में चुकानी पड़ती।

हाऊसवाइफ़ का योगदान पुरुष से कमतर नहीं

अर्थ की धुरी बनती महिलाएं

ललित गर्न

एक महिला एक कंपनी में काम करती है। निश्चित अवधि एवं निर्धारित दिनों तक काम करने के बाद उसे एक निर्धारित राशि वेतन के रूप में मिलती है। उसके इस कार्य को और उसके इस क्रम को राष्ट्रीय उत्तरांति के योगदान के रूप में देखा जाता है। वह माना जाता है कि देश के आर्थिक विकास में अमुक महिला का योगदान है।

घर के लगभग सभी कामों का दायित्व एक महिला अपने ऊपर ओढ़ती है, फिर भी इस दृष्टि से नहीं सोचा जाता कि वह भी आर्थिक योगदान का रखती है। ऐसी महिलाएं घर की इनकम में सीधे कुछ नहीं जोड़ती, इसलिए उसके काम की कोई इकूल क्लैब-होम समझी जाती। जोड़ीनी के नाम से देश की दौलत का जो सालाना हिसाब लगाया जाता है, उसमें वही उनकम शामिल होती है, जिसमें पैसे का लेन-देन हुआ हो। यह कहने की जरूरत नहीं कि परिवार में एक हाऊसवाइफ़ की क्या अहमियत होती है और उसके बिना समाज नहीं चल सकती, लेकिन उसके काम को अनुरूपताक समझ लिया जाना उसकी हैसियत को गिराता ही नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व और अस्थिति को भी खम्ब कर देता है।

इन दिनों हाऊसवाइफ़ के अस्तित्व को लेकर ऐसी व्यापक चर्चाएँ हैं। सोशल मीडिया पर हाऊसवाइफ़ की समीक्षा वातावरण से उन्हीं के बीच ऐसे प्रश्न उठलने लगे हैं कि क्या हाऊसवाइफ़ का परिवार, समाज और देश के प्रति योगदान नगण्य है? क्या हाऊसवाइफ़ का कोई अस्तित्व नहीं? क्या उसे आर्थिक निर्णय लेने का कोई अधिकार नहीं? क्या हाऊसवाइफ़ सिर्फ़ बच्चे पैदा करने और घर संभालने के लिए होती है? क्यों हाऊसवाइफ़ का योगदान देश के विकास में एक पुरुष से कमतर आंका जाता है? हाऊसवाइफ़ को उनके काम के बदले सेलरी का प्रावधान होना ही चाहिए?

ये और ऐसे अनेक प्रश्न हैं जिन पर न केवल देश में बल्कि दुनिया में जगमरुकता का वातावरण बन रहा है। इस विषय ने नारी जागृति एवं महिला शक्तिकारक के अधियानों को भी आंदोलित किया है। ऐसी चर्चाएँ होती हैं, एक सकारात्मक वातावरण घरेलू महिलाओं को लेकर बनना और

सरकार की सोच में भी बदलाव आना निश्चित ही नारी के अस्तित्व को धुंधलाकों से बाहर लाने का प्रयास कहा जायेगा। साथ ही भविष्य एक बड़ी चुनौतीपूर्ण समस्या पर समय रहते मानसिकता को विकसित करने का वातावरण बनेगा।

आज महिला ने भी अर्थ की धुरी बनकर दिखा दिया है। इन सकारात्मक स्थितियों के

बीच उस महिला के संदर्भ में भी सोचना जरूरी है, जो वेतन तो नहीं पाती है, किन्तु सुबह से देर रात तक घर का काम करती है। क्या आर्थिक सहयोग की श्रेणी में उसका योगदान नहीं है? प्रचलित मान्यताओं और आम धारणाओं पर हमें पुर्णर्धितन करना

होगा। साथ ही सोच के नजरिये को सकारात्मक दृष्टिकोण में बदलना होगा।

सभी के सामने यह एक ज्वलता प्रश्न है कि आखिर समाज और राष्ट्र की मान्यताएं क्या हैं? विकास का सही मायने में अर्थ क्या है? क्या नारी अस्थिति के सामने हमेशा प्रश्नचिन्ह लगा रहा है? कापी समय फहले तक महिलाएं घर के बाहर कमन नहीं रखती थीं और वह धारणा थी कि परिवार की रीढ़ पुरुष होता है। पुरुष के कंधों पर ही परिवार का संपूर्ण अर्थतंत्र टिका होता है। उन्होंने उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाएँ एवं बाहर के कार्यक्षेत्र को भी सफलतापूर्वक अंजाम देने में अपने परचम लहराए। वह स्वावलंबी बनी। कभी पुरुष अर्थ की धुरी माना जाता था। किन्तु आज महिला ने भी अर्थ की धुरी बनकर दिखा दिया है। इन सकारात्मक स्थितियों के बीच उस महिला के संदर्भ में भी सोचना जरूरी है, जो वेतन तो नहीं पाती है, किन्तु सुबह से देर रात तक घर का काम करती है। क्या आर्थिक सहयोग की श्रेणी में उसका योगदान नहीं है? प्रचलित मान्यताओं और आम धारणाओं पर हमें पुर्णर्धितन करना होगा। साथ ही सोच

के नजरिये को सकारात्मक दृष्टिकोण में बदलना होगा।

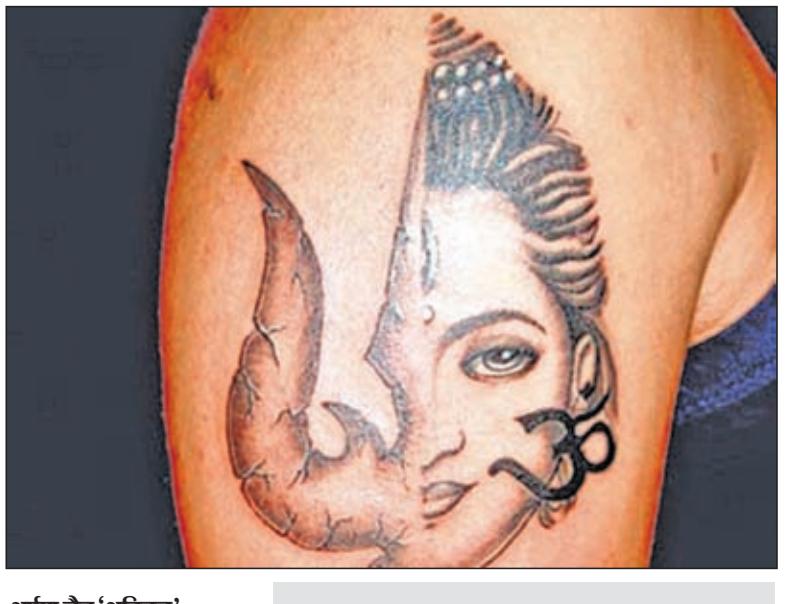
मान्यताएं देश, काल, परिवर्थित और वातावरण के अनुसार करवर लेते रहते हैं। समाज यदि इसके अनुकूल ढलता जाता है तो विकास को सही दिशा मिलती जाती है। यदि ऐसा नहीं हो पाता है तो सब कुछ उल्टा-पुल्टा होता चला जाता है और विकास को जिस परिकल्पना को लेकर हम चल रहे हैं, वह देश चू-चू हो जाता है।

हाऊसवाइफ़ की घरेलू भूमिका और उसके आर्थिक मूल्यांकन का काम कई मोर्चों पर चल रहा है। हमारे देश में भी और बाहर भी। 2004 में एक हाइकोर्ट कह चुका है कि हाऊसवाइफ़ की मात्र से कम वैल्यू रुपयों में माहिरावर की निश्चित होना चाहिए। केरल में हाऊसवाइफ़ के लिए मासिक भत्ते की मात्रा होना चाहिए। लोकिंग बात इन्हीं ही नहीं है। हाऊसवाइफ़ की वैल्यू तय की जानी चाहिए। लोकिंग बात इन्हीं ही लेकिन उससे बड़ा चिन्हानामक प्रश्न हाऊसवाइफ़ के अस्तित्व को ही समाप्त करने की मानसिकता से जुड़ा है। स्वीडन के जर्नलिस्ट पीटर लेटमार्क ने लेख में 'हाऊसवाइफ़ होने का दाग' में अनेक वित्तजाक स्थितियों को प्रस्तुत किया है। इस लेख में घरेलू कामकाम की जटिल होनी स्थितियों और उनमें विक्रिय होनी भूमिकाओं की भूमिका को उल्लेख नहीं है। उक्ता वह लेख न्यूयार्क टाइम्स में छापा है। स्वीडन और नॉर्वे में हाऊसवाइफ़ कहलाना बेंजानी माना जा रहा है, महिलाएं हाऊसवाइफ़ के तौबा कर रही हैं। ऐसा अकेले स्वीडन नॉर्वे में नहीं, भारत में भी हो रहा है। हालांकि यहां हाऊसवाइफ़ अभी गायब नहीं हुई हैं और ऐसा होने में बरसों लग जाएंगे, लेकिन हाऊसवाइफ़ को अब पुराने जमाने की दृक्यानूसी मानकर नीचे नजर से देखा जाता है। न्यू जैनरेशन की लड़कियां इसके लिए कर्तव्य तैयार नहीं हैं।

लिहाजा हम उन जटिल स्थितियों की ओर अप्रसर हो रहे हैं, जहां हमारे लिये भी घरेलू काम-काज चुनौती बन कर प्रस्तुत होगा अब तो चल ही रही है, बस पौरुष यदि थोड़ा-सा समय के साथ खींचो भी भी समाज की सार्वकान्त्रा से रु-ब-रु करवाते हुए समाज दे दे तो सारी समस्याओं की जड़ ही समाप्त हो जाएगी।

भावनाओं के अथाह सागर में समायी है मां, ममता और महिला

समर्थता के साथ सार्थकता की पूंजी समेटे हुए, तांग अभामडल की भाति सौंदर्य की अनुपम कृति, जिसमें भावना का अथाह सागर भी समाया है तो सर्वस्व अर्पण करती हुई ममता का अंबर भी। जिसकी आवधान से आरक्षि के तिमिर मिटते जाते हैं, जिसके गीत भ्रमर गुजन की भाति कानों की खनक बने हुए हैं, जो त्याग की प्रतिमूर्ति समान सहज, सुंदर, और यथार्थ के धरातल का आलोक भी है। जिसके कारण ही परम सता के अनुठे सुजन का गौरव भी स्थापित होता है। वही जिसे लोग करुणामरी, सौभाग्यशाली, ममतामयी, मार्मिक और पूजनीय के नाम से पुकारते हैं, वहीं जो स्थापित सर्वस्व का आधारभूत स्तंभ है।



अर्पण जैन 'अतिवचल'

नारी सहजता का प्रतिमान है, वहीं जो स्वार्थ से पैरे केवल समाज का रंग है, लोग जिसे नारी, महिला, खींची, देवी, चपला, चंचला तमाम उपमाओं से पुकारते हुए इंश कृति का धन्यवाद ज्ञापित करते हैं, वहीं समाज के रंगों के एकत्रीकरण का तारीक कारण भी है।

कहा भी जाता है कि जिसके बाने कर परमामा भी स्वर्य की व्याप्ति जिधरे में खिंचों का अस्तित्व तैयार कर रही है, वो भूल गई 'यत्रैतास्तु न पूज्यते' की आध्यात्मिक ताकत वाल राष्ट्र जिसके रोगों में नारी का समान बसा हुआ है, किंतु दुर्भाग इस कलबुदी पौध का किंतुबाने के गौरवशाली इतिहास की किंतुबाने की कामिलिया जिसे वार्तावाद तैयार करते हैं।

अध्यात्मवाद के सहायता के द्वारा विद्यार्थी भी अर्थात् जिधरे में खिंचों का अस्तित्व सहित उसे देवी के रूप में स्वीकार्यता देते हुए धरती पर असल सुजन का अधिकार कर दिया है। यकीनन ईश की इस अनमोल कृति में हर संबंध, रिश्ते, भावाना, समाज, संघर्ष, सत्ता और सर्वस्व है। सहज रूप से परमामा के अनुठे गौरव के स्वयंगत की परंपरात फकदार केवल नारी ही है।

बदलाव की आशा स्वयं से होकर गुजरती है, महज मानसिकता में बदलाव आवश्यकता है, भ्रमान में खींचों का अस्तित्व वाले गुजरते ही रही

